

प्रभु,
बिनीता कुमार
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।
सेवा में,
निदेशक,
समाज कल्याण विभाग,
हल्द्वानी-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: मार्च 27 2008

विषय: प्रदेश में संचालित मदरसों/मकतबों को आधुनिकीकरण योजना के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।
नहोवय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 4413/स0क0/ वी-3/ म0आ0प्र0 -58 (2)/2007-08, दिनांक 5 मार्च 2008, पत्र संख्या: 4592/स0क0/ वी-3/ म0आ0प्र0 -30 (2)/2007-08, दिनांक 18 मार्च 2008 तथा शासन के पत्र संख्या: 1112/XVII(1)-3/07-62/2003, दिनांक 28 नवम्बर 2007 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में प्राविधानित व्यवस्थानुसार निम्नलिखित 02 मदरसों में (दो प्राथमिक स्तर तथा दो जूनियर हाईस्कूल स्तर पर) आधुनिक विषयक हेतु अध्यापकों के वेतन भुगतान तथा बुक बैंक की स्थापना हेतु कुल रू. 1,82,000.00 (रुपया एक लाख ब्यासी हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्रमांक	मदरसों का नाम	अध्यापकों की संख्या तथा स्तर
01	मदरसा अली मैमोरियल स्कूल, जसपुर, उधमसिंहनगर।	दो अध्यापक(प्राथमिक स्तर)
02	मदरसा गुलजार फरीद मुस्लिम इण्टर कालेज, मिरान कलियर, हरिद्वार।	दो अध्यापक(जूनियर हाईस्कूल स्तर)

- 1- विज्ञान, गणित, अंग्रेजी/सामाजिक अध्ययन व हिन्दी विषयों के शिक्षण हेतु पूर्णकालिक शिक्षण कार्य के लिए प्राथमिक शिक्षक को रू. 3000/-प्र0मा0(रुपये तीन हजार मात्र), तथा हाईस्कूल स्तर पर रू. 4000/-प्र0मा0(रुपया चार हजार मात्र) भुगतान किया जायेगा। मदरसों में नियुक्त अध्यापकों की नियुक्ति अस्थायी होगी तथा उनकी योग्यता इण्टरमीडिएट(संयोजित विषय) से कम नहीं होगी। अतः शासन द्वारा प्रदान की जा रही स्वीकृति स्वतः ही निरस्त समझी जायेगी।
- 2- बुक बैंक की स्थापना हेतु भारत सरकार के आदेश संख्या: 8-2/2005, एम0सी0, दिनांक 11.4.2005 के अनुसार मदरसा जहां के लिए योजना स्वीकृत की जा रही है, रू. 7000/-प्रति मदरसा को एकमुश्त धनराशि अनुमन्य होगी।

- 1- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं जिला कल्याण अधिकारी की निरीक्षण/पर्यवेक्षण आयुष्म वित्तीय वर्ष 2007-08 उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि समझान्तर्गत उक्त सूचना भारत सरकार को उपलब्ध करायी जा सके।
- 4- उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल के अंतर्गत शासन या सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
5. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
6. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
7. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल रखाही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर अथवा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
8. वर्णित धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित करें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
9. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मितव्ययिता/अवचनबद्ध की मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करना सुनिश्चित कर लिया जाय।
10. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
12. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
13. बी०एम०-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। स्वीकृत धनराशि के साफेक्ष मदवार व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।
14. इस सम्बन्ध में, जो ताला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय के "अनुदान संख्या-15 में आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 2250-अन्य सामाजिक सेवाएँ-00-800-अन्य व्यय-05-अरबी फारसी मदरसों का आधुनिकीकरण(100

प्रतिगत कन्ट्रिब्यूशन -00- के नाम पर 20-सहायक अनुदान/अनुदान राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

15. यह आदेश जित्त विभाग के अधीन संख्या-1206(P)/xxvii(3)/0 दिनांक 25.3.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

संख्या 183/XVII(1)-3/06-62(स0क0) 2003, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊ, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी, जनमद-नैनीताल।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. जिलाधिकारी, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. कोषाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल) उत्तराखण्ड।
9. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
11. उपनिदेशक(एम0सी0), मानव संसाधन विकास मंत्रालय(अकल्पसंख्यक प्रकोष्ठ), भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या: एफ-8-2/2005-एम0सी0, दिनांक 4.8.2006
12. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. आदेश पंजीक।

आज्ञा से

(धीरेन्द्र सिंह दत्तल)
उपसचिव।